17-टेसू राजा

3S8ETP

टेसू राजा अड़े खड़े
माँग रहे हैं दही बड़े।

बड़े कहाँ से लाऊँ मैं,

पहले खेत खुदाऊँ मैं,

उसमें उड़द उगाऊँ मैं,

फसल काट घर लाऊँ मैं।

छान फटक रखवाऊँ मैं,

फिर पिट्ठी पिसवाऊँ मैं,

टिकिए गोल बनाऊँ मैं,

बेलन से बेलवाऊँ मैं।

चूल्हा फूँक जलाऊँ मैं,

तलवा कर सिकवाऊँ मैं,

फिर पानी में डाल उन्हें,

मैं लूँ खूब उबाल उन्हें।

फूल जाएँ वह सब के सब,

उन्हें दही में डालूँ तब,

मिर्च-नमक छिड़काऊँ मैं,

चाँदी वर्क लगाऊँ मैं।

चम्मच एक मँगाऊँ मैं,

तब वह उन्हें खिलाऊँ मैं,

टेसू राजा अड़े-खड़े,

माँग रहे हैं दही बड़े।

- रामधारी सिंह 'दिनकर'

बिहार प्रांत के बेगूसराय जिले में जन्मे राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' हिंदी के प्रमुख लेखक, कवि एवं निबंधकार हैं। 'कुरुक्षेत्र', 'रश्मिरथी', 'उर्वशी', 'हुँकार', 'संस्कृति के चार अध्याय' आपकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

अभ्यास

शब्दार्थ-

टेसू राजा = बेटे का नाम टेसू है, जिसे माँ ने प्यार से टेसू राजा कहा है।

अड़े खड़े = किसी चीज के लिए जिद करना। जिद पूरी होने तक खड़े रहना।

पिट्ठी पिसवाना = भीगी हुई उड़द या मूँग की दाल को पिसवाना।

1. **बोध प्रश्न**: उत्तर लिखिए -

(क) टेसू राजा किस बात के लिए अड़े खड़े हैं ?

(ख) माँ की कठिनाई क्या है ?

(ग) टेसू की माँ के पास उड़द होते तो उन्हें क्या-क्या नहीं करना पड़ता ?

(घ) कविता को पढ़कर दही बड़ा बनाने की प्रक्रिया/चरणों को क्रमशः लिखिए। जैसे-

- उड़द को छाँट फटक कर भिगोना
- पिट्ठी पिसवाना

2. सोच विचार: बताइए -

(क) आपने अपनी माँ से कब और किस बात के लिए जिद की ?

(ख) माँ ने वह जिद कैसे पूरी की ?

(ग) क्या हमें जिद करनी चाहिए, क्यों ?

(घ) आपने अपने घर में किसी दुकान पर या किसी अन्य स्थान पर इन कामों को होते देखा होगा। बताइए कि कैसे होते हैं ये काम-

- आलू की टिकिया बनाना।
- मिट्टी से घड़ा बनाना।
- बेसन से पकौड़ी बनाना।
- आटे से रोटी बनाना।

3. **भाषा के रंग** -

(क) कविता में तुकांत शब्द खूब आए हैं। जैसे-अड़े, खड़े, बड़े/लाऊँ, खुदाऊँ, उगाऊँ। इन्हें ढूँढ़कर लिखिए-

....

(ख) पाठ में आए हुए (ँ) अनुनासिक शब्दों को छाँटकर लिखिए-

जैसे - कहाँ ....

4. आपकी कलम से -

(क) 'दही बड़ा' की ही तरह अगर 'रोटी' बनानी हो तो कविता कैसे बनेगी? खाली स्थान में सही शब्द भरकर कविता को पूरा कीजिए -

पहले खेत खुदाऊँ मैं।

..... उगाऊँ मैं।

.... घर लाऊँ मैं।

.... रखवाऊँ मैं।

..... पिसाऊँ मैं।

.... बनाऊँ मैं।

..... बेलवाऊँ मैं।

.... सिकवाऊँ मैं।

..... खिलवाऊँ मैं।

(ख) आपके घर में खाना कौन-कौन बनाते हैं ? आप इस काम में उनकी क्या मदद कर सकते हैं, नीचे बनी तालिका में लिखिए-

खाना कौन बनाता है	मैं क्या मदद करता हूँ	मैं और क्या–क्या मदद कर सकता हूँ

(ग) **आपकी रसोई में-**

- क्या-क्या कड़ाही में तलकर सेंका जाता है ?
- क्या-क्या पानी में डालकर उबाला जाता है ?
- किन चीजों के बनाने में दही का प्रयोग होता है ?
- कौन-कौन से बरतन है ?
- किन-किन बरतनों का प्रयोग होगा ?
- सब्ज़ी बनाने में
- दाल बनाने में
- चावल बनाने में

5. **अब करने की बारी -**

(क) देखिए, समझिए और बताइए -

- चित्र में क्या बनाने की विधि लिखी है ?
- सामग्री की मात्रा क्यों लिखी गई है ?
- यह कितने व्यक्तियों के लिए पर्याप्त होगी ?

अगर चार की जगह आठ व्यक्ति हों तो कौन-सी सामग्री की मात्रा कितनी बढ़ जाएगी-

सामग्री - मात्रा

(ख) **इंटरव्यूः-** आपने टेलीविजन पर अखबार में अथवा रेडियो पर किसी का इंटरव्यू (साक्षात्कार) देखा, पढ़ा अथवा सुना होगा। पता है, आप भी ले सकते हो इंटरव्यू। अपने घर में खाना पकाने वाले से ये सवाल पूछिए और उत्तर लिखिए -

- खाना पकाना कब सीखा ?
- क्या-क्या बनाना आसान होता है ?
- किससे सीखा ?
- क्या-क्या बनाने में ज्यादा समय लगता है?
- क्या-क्या बना लेते हैं ?
- प्रायः लोग क्या खाना ज्यादा पसंद करते हैं?
- बनाते समय क्या-क्या सावधानियाँ रखते हैं ?
- खाना बनाते, खिलाते समय कब आपको परेशानी या दुःख होता है ?

6. **मेरे दो प्रश्न**: कविता के आधार पर दो सवाल बनाइए -

7. **इस कविता से** -

(क) मैंने सीखा - ....

(ख) मैं करूँगी/करूँगा - ....